पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी

(प्राइवेट fo|kfFkZ;ksa के लिए)

(2014 - 2015)

हिन्दी विभाग
मानविकी एवं भाषा संकाय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में

इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम सम्बंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन vkV'l, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।

(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।

(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।

(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

हिन्दी विभाग : संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन सम्बंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल्., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां अहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर एम. ए., एम. एड., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया, एम. फिल्., पीएच. डी., (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

बी. ए. ऑनर्स (हिन्दी) वार्षिक पाठ्यक्रम
(प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए)

अनुक्रम **पृष्ठ संख्याँ**

प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	11

f}rh; वर्ष

पाठ्यक्रम-2	मध्यकालीन काव्य	15
पाठ्यक्रम-3	नाटक एवं निबंध	20

तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम-4	आधुनिक कविता	25
पाठ्यक्रम-5	कथा साहित्य	29
पाठ्यक्रम-6	हिन्दी भाषा का विकास	32
पाठ्यक्रम-7	साहित्यशास्त्र	34
पाठ्यक्रम-8	वैकल्पिक प्रश्नपत्र (विशेष अध्ययन)	36
	(क) कबीर	36
	(ख) नागार्जुन	39
	(ग) प्रेमचंद	42
पाठ्यक्रम-9	मौखिकी	44

बी. ए. ऑनर्स (हिन्दी)
प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम-1 हिन्दी साहित्य का इतिहास पूर्णांक: 100

इकाई-1 **काल विभाजन**

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ : काल निर्धारण एवं नामकरण

इकाई-2 **आदिकाल**

युगीन परिस्थितियाँ

सिद्ध, नाथ, जैन तथा रासो साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-3 **भक्तिकाल**

युगीन परिस्थितियाँ

प्रमुख प्रवृत्तियाँ संत काव्य, सूफी काव्य, राम भक्ति-काव्य, कृष्ण भक्ति-काव्य

इकाई-4 **रीतिकाल**

युगीन परिस्थितियाँ

प्रमुख प्रवृत्तियाँ रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य।

इकाई-5 **आधुनिक युग**

युगीन परिस्थितियाँ

प्रमुख प्रवृत्तियाँ हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग, f}onh युग, छायावाद युग, छायावादोत्तर साहित्य।

निर्देशः प्रत्येक इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन : 20X5 = 100

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारीप्रसाद f}onh
3. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचंद्र गुप्त
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेंद्र
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
9. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी
10. हिन्दी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास	मोहन अवस्थी

बी. ए. ऑनर्स (हिन्दी)

f}rh; o"k

पाठ्यक्रम-2 मध्यकालीन काव्य पूर्णांक: 100

इकाई-1 **साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि**

आदिकालीन काव्य

भक्ति आंदोलन

भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएँ

दरबारी संस्कृति एवं रीतिकाव्य

इकाई-2 **पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के पाठ की व्याख्या**

(किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी)

निर्धारित कवि एवं कविताएं:

कबीरदास (कबीर ग्रंथावली: सं. पारसनाथ तिवारी)

पद

1. हमारै गुरु दीन्हीं अजब जरी
2. दुलहिनी गावहु मंगलाचार
3. राम भगति अनियाले तीर
4. तननां बुननां तज्यौ कबीर
5. अब कहु राम कवन गति मोरी
6. संतो भाई आई ग्यान की आँधी रे
7. झूठे तन कौं क्या गरबावै
8. हम न मरैं मरिहैं संसार
9. एक अचंभा देखा रे भाई
10. माया महा ठगिनि हम जानी

साखी

सतगुर महिमा कौ अंग

1. सतगुर की महिमा अनंत

2. सतगुर मेरा सूरिवां

प्रेम बिरह कौ अंग

1. बिरहा बिरहा मति कहौ

पिउ पहिचानिबे कौ अंग

1. कस्तूरी कुंडलि बसै

2. ज्यौं नैननि मैं पूतरी

3. जाके मुंह माथा नहीं

परचा कौ अंग

1. जब मैं था तब हरि नहीं
2. पानी ही तैं हिम भया

सूरातन कौ अंग

1. कबीर यहु घर प्रेम का

2. प्रेम न बारी ऊपजै

मलिक मुहम्मद जायसी

(जायसी ग्रंथावली, सं. आ. रामचन्द्र शुक्ल)

नागमती वियोग खण्ड (पद्मावत से)

सूरदास (सूरसागर: सं. नन्ददुलारे वाजपेयी)

पद संख्याः 2, 19(विनय), 13, 43, 177, 245, 411, 478, 620, 672, 673 (दशम स्कंध, प्रथम खंड), 3175,

3185, 3521, 3604, 3975, 4073, 4119, 4157 (दशम स्कंध, द्वितीय खंड)

तुलसीदास

रामचरित मानस(बाल काण्ड) - छंद संख्या 229(देखन बाग कुँअर दुइ आए) से लेकर छंद संख्या 238 तक।

विनय पत्रिकाः पद

कबहुंक अंब अवसर पाइ

जागु, जागु जीव जड़

अबलौं नसानी अब न नसैहौं

केसव! कहि न जाइ का कहिये

ऐसो को उदार जग माहीं

बिहारी (बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास 'रत्नाकर')

दोहे : मेरी भव-बाधा हरौ / कहत, नटत, रीझत, खिझत / नहिं परागु नहिं मधुर मधु

छुटी न सिसुता की झलक / तंत्री-नाद कबित्त-रस / या अनुरागी चित्त की / करी बिरह ऐसी, तऊ / घरु-घरु डोलत दीन ह्वै / औधाई सीसी, सुलखि / स्वारथु, सुकृतु न श्रमबृथा

कहत सबै बेंदी दियैं / सहज सेत पँचतोरिया / लिखन बैठि जाकी सबी / दुसह दुराज प्रजानु कौं / दृग उरझत, टूटत कुटुम / बसै बुराई जासु तन / रनित भृंग घंटावली / ललन

सलोने अरु रहे / अति अगाधु, अति औथरौ / करौ कुबत जगु, कुटिलता

घनानंद

सवैया : जा हित मात को नाम जसोदा / हीन भएं जल मीन अधीन / मरिबो बिसराम गनै वह तौ / अति सूधो सनेह को मारग है / घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ / परकाजहि देह को धारि फिरो / सावन आवन हेरि सखी / पहलें पहिचानि जु मानि लई / रूप लुभाय लगी तब तौ / फैलि रही धर अंबर पूरि।

कवित्त : एरे बीर पौन तेरो सबै ओर गौन / जोई रात प्यारे-संग बातन न जात जानी / आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौ लौं / अंतर मैं बासी पै प्रबासी को सो अंतर है / प्रेम को महोदधि अपार हेरि कै।

इकाई-3 **कबीर और जायसी** की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न।
(साधना पद्धतियाँ, रहस्यवाद, समाज सुधार, दार्शनिक मान्यताएँ, लोकतत्व, भाषा।)

इकाई-4 **सूर और तुलसी** की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न।

(सगुण भक्ति का स्वरूप और सूर तथा तुलसी की कविताएँ, भक्ति, वात्सल्य एवं प्रेम, समन्वय, दर्शन, भाषा।)

इकाई-5 **बिहारी और घनानंद** की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न।
(रीति-काव्य के संदर्भ में बिहारी और घनानंद की कविता का मूल्यांकन, श्रृंगार एवं प्रेम, भाषा।)

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएं 40 अंक
चार आलोचनात्मक प्रश्न 4X15 = 60

अनुमोदित ग्रंथ

1. जायसी ग्रन्थावली	सं. रामचन्द्र शुक्ल
2. कबीर	हजारीप्रसाद f}onh
3. जायसी	विजयदेव नारायण साही
4. सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
5. तुलसी	रामचन्द्र शुक्ल
6. बिहारी प्रकाश	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
7. सूफी मतः साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
8. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पाण्डेय
9. रीति काव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
10.परम्परा का मूल्यांकन	रामविलास शर्मा
11. घनानंद का कव्य	रामदेव शुक्ल
12. सनेह को मारग	इमरै बंघा

पाठ्यक्रम -3 नाटक एवं निबंध पूर्णांक: 100

इकाई-1 **निर्धारित नाटक**

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

आधे-अधूरे - मोहन राकेश

इस इकाई के अंतर्गत निर्धारित नाटकों से संबंधित निम्न बिंदुओं पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगेः

1. नाट्य तत्व: भारतीय एवं पाश्चात्य
2. मूल संवेदना
3. रंगमंच
4. चारित्रिक विकास

इकाई-2 इस इकाई के अंतर्गत निर्धारित नाटककारों की नाट्यकला, विचारधारा और भाषा से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

इकाई-3 **हिन्दी निबंध का विकास**

भारतेन्दु युगीन हिन्दी निबंध

f}onh युगीन हिन्दी निबंध

छायावाद युगीन हिन्दी निबंध

छायावादोत्तर हिन्दी निबंध

निबंधों के प्रकार : वर्णनात्मक, भावात्मक, वैचारिक, व्याख्यात्मक, ललित आदि

(इस इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।)

इकाई-4 **निर्धारित निबंध**

स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
लार्ड कर्जन की बिदाई	बालमुकुंद गुप्त
उत्साह	रामचन्द्र शुक्ल
देवदारु	हजारीप्रसाद f}onh
ठिठुरता हुआ गणतंत्र	हरिशंकर परसाई

(निर्धारित निबंधकारों एवं निबंधों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।)

इकाई-5 निर्धारित नाटकों एवं निबंधों में से कुल तीन अंशों की व्याख्या करनी होगी।

अंक विभाजन :

तीन व्याख्या	40 अंक
चार आलोचनात्मक प्रश्न	4X15 = 60

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	दशरथ ओझा
2. नाटक और रंगमंच	सं. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक	बच्चन सिंह
4. प्रसाद का नाट्य-कर्म	सत्येंद्र कुमार
5. आज के रंग नाटक	सं. सुरेश अवस्थी
6. रंग-भाषा	नेमिचन्द्र जैन
7. हिन्दी गद्य का विकास और प्रमुख शैलीकार	गुलाब राय
8. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
9. आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
10. नया साहित्य : नए प्रश्न	नंददुलारे वाजपेयी
11. निबंध निलय	सत्येंद्र
12. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार	हरिमोहन
13. साहित्य सहचर	हजारीप्रसाद f}onh

बी. ए. ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम-4 आधुनिक कविता पूर्णांक: 100

इकाई-1 पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के पाठ की व्याख्या। किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी।

निर्धारित कवि एवं कविताएँ:

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

मारग प्रेम को को समुझै, यह संग में लागियै डोलैं सदा, आजु लों जौ न मिले तो कहा, घेरि-घेरि घन आए, एक बेर नैन भरि देखैं जाहि, निज भाषा उन्नति अहै, अंग्रेजी पढ़ि के जदपि, यह सब भाषा काम की, गुरु सिखवत बहु भांति, इक भाषा इक जीव इक, बैर बिरोधहि छोड़ि कै, नारि पढ़े बिनु एकहू, सब गुरुजन को बुरा बतावे, भीतर-भीतर सब रस चूसै, इनकी उनकी खिदमत करो, मुँह जब लागे तह नाहिं छूटै लखौ किन भारतवासिन की गति।

2. मैथिलीशरण गुप्त

निज सौध सदन में उटज पिता ने छाया
मेरी कुटिया में राज-भवन मन भाया।
साकेतः अष्टम सर्ग

3. **जयशंकर प्रसाद**

कामायनी : लज्जा सर्ग
(आरंभ के बीस छंद)

4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

संध्या सुंदरी
जागो फिर एक बार (दोनों भाग)

5. सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला

6. भवानी प्रसाद मिश्र

गीत फरोश, सतपुड़ा के घने जंगल

7. त्रिलोचन शास्त्री

उस जनपद का कवि हूँ
ताप के ताए हुए दिन
दिन ये फूल के हैं

8. सुदामा पांडेय धूमिल

मोचीराम

इकाई-2 **भारतेन्दु और मैथिलीशरण गुप्त** की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

(i) हिन्दी नवजागरण के संदर्भ में भारतेन्दु की कविताओं का मूल्यांकन, काव्य-भाषा।

(ii) हिन्दी नवजागरण तथा f}onh युग के संदर्भ में मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं का विवेचन, काव्य-भाषा

इकाई-3 **प्रसाद और निराला** की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न। (छायावाद के संदर्भ में

प्रसाद और निराला की कविताओं का मूल्यांकन, काव्य-भाषा, शिल्प)

इकाई-4 **अज्ञेय और भवानी प्रसाद मिश्र** की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।
(प्रयोगवाद और नयी कविता के संदर्भ में अज्ञेय और भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं का विवेचन।)

इकाई-5 **त्रिलोचन और धूमिल** की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।
(साठोत्तरी कविता और त्रिलोचन तथा धूमिल की कविताएँ।)

अंक विभाजन :

तीन व्याख्या	40 अंक
चार आलोचनात्मक प्रश्न	4X15 = 60 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
3. छायावाद	नामवर सिंह
4. स्वछंदतावाद	डॉ. प्रेमशंकर
5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ	त्रिलोचन पाण्डेय
6. कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
7. तारसप्तक की भूमिका	अज्ञेय
8. नई कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा
9. महादेवी की कविता का नेपथ्य	विजय बहादुर सिंह
10. विपक्ष का कवि धूमिल	राहुल
11. मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
12. निराला : आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह
13. अज्ञेय : कवि और काव्य	राजेन्द्र प्रसाद
14. त्रिलोचन के बारे में	सं. गोबिंद प्रसाद

पाठ्यक्रम-5 **कथा साहित्य** **पूर्णांक: 100**

इकाई-1 **हिन्दी कहानी का विकास**

(क) प्रारंभिक कहानियाँ

प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग

(ख) नई कहानी

(ग) साठोत्तरी कहानी

(घ) समकालीन कहानी

इकाई-2 इस इकाई के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, विचारधारा और शिल्प संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

निर्धारित कहानियाँ :

1. उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
2. ईदगाह - प्रेमचंद
3. पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद
4. करवा का व्रत - यशपाल
5. आर्द्रा - मोहन राकेश
6. वापसी - उषा प्रियंवदा

(कहानी विविधा / संकलन: डॉ. देवीशंकर अवस्थी)

इकाई-3 **हिन्दी उपन्यास का विकास**

प्रारंभिक उपन्यास, प्रेमचन्दयुगीन उपन्यास, प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास, साठोत्तरी उपन्यास, समकालीन उपन्यास।

इकाई-4 **निर्धारित उपन्यास-1**

कर्मभूमि प्रेमचंद

इकाई-5 **निर्धारित उपन्यास-2**

गंगा मैया भैरवप्रसाद गुप्त

इकाई संख्या चार और पाँच में निर्धारित उपन्यासों के संबंध में समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे : अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विकास, विचारधारा, शिल्प।

अंक विभाजन : 20X5 = 100

अनुमोदित ग्रंथ

1. कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह
2. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया	परमानंद श्रीवास्तव
3. हिन्दी कहानी पाठ और प्रक्रिया	सुरेन्द्र चौधरी
4. हिन्दी कहानी का विकास	मधुरेश
5. कहानीः स्वरूप और संवेदना	राजेन्द्र यादव
6. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
7. उपन्यास का उदय	आयन वॉट
8. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
9. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख	इंद्रनाथ मदान
10. हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं. निर्मला जैन
11. उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फॉक्स
12. हिन्दी उपन्यास का विकास	मधुरेश
13. उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
14. हिन्दी उपन्यास स्थिति और गति	चंद्रकांत वांदिवड़ेकर
15. आधुनिक हिन्दी उपन्यास	सं. नामवर सिंह
16. हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय

पाठ्यक्रम-6 हिन्दी भाषा का विकास पूर्णांक: 100

इकाई-1 **हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास**

(क) विश्व के प्रमुख भाषा परिवार

(ख) हिन्दी भाषा की उत्पत्ति

(ग) प्रारम्भिक हिन्दी

इकाई-2 **बोलियों का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास**

(क) हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ

(ख) अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

(ग) ब्रज का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

इकाई-3 **भाषा नीति और खड़ी बोली**

(क) अंग्रेज़ों की भाषा नीति

(ख) हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी

(ग) काव्य भाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास

इकाई-4 **देवनागरी और राजभाषा**

(क) हिन्दी का शब्द-भण्डार

(ख) देवनागरी लिपि का मानकीकरण

(ग) राजभाषा और राष्ट्रभाषा

इकाई-5 **हिन्दी के विविध रूप**

(क) संविधान में हिन्दी की स्थिति

(ख) सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी

(ग) कार्यालयी भाषा के रूप में हिन्दी

निर्देश : सभी यूनिटों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे

अंक विभाजन : 20X5=100

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा का इतिहास	भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
3. पुरानी हिन्दी	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4. भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
5. हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह
6. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास	उदयनारायण तिवारी

पाठ्यक्रम-7 **साहित्यशास्त्र** **पूर्णांक: 100**

इकाई-1 **काव्यशास्त्र का स्वरूप**

(क) काव्य-हेतु

(ख) काव्य-प्रयोजन

(ग) काव्य की आत्मा

(घ) शब्दशक्ति

(ङ) काव्य-गुण एवं काव्य-दोष

इकाई-2 **भारतीय काव्य-शास्त्र**

(क) काव्य-शास्त्र के विभिन्न सम्प्रदाय: परिचय

(ख) रस एवं रस-निष्पत्ति

(ग) साधारणीकरण

इकाई-3 **पाश्चात्य काव्य-शास्त्र**

(क) प्राचीन साहित्य-सिद्धांत: प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस

(ख) स्वच्छंदतावाद

(ग) यथार्थवाद

(घ) मार्क्सवाद

इकाई-4 **हिन्दी आलोचना**

(क) रीतिकालीन हिन्दी काव्यशास्त्र

(ख) आधुनिक हिन्दी आलोचना

इकाई-5 **प्रमुख आलोचक**

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद f}onh, डॉ. नामवर सिंह, डॉ. रामविलास शर्मा।

निर्देशः सभी यूनिटों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन : 20X5=100

अनुमोदित ग्रंथ

1. काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
4. साहित्य चिंतन	देवन्द्र इस्सर
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
6. साहित्य सिद्धांत	रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
7. रस-सिद्धांत का पुनर्विवेचन	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
8. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	शिवकुमार मिश्र
9. साहित्यालोचन	बाबू श्यामसुंदर दास
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	रामविलास शर्मा
11. इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
12. हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी	निर्मला जैन
13. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द	बच्चन सिंह
14. हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी
15. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी	नंदकिशोर नवल
16. समकालीन आलोचक और आलोचना	रामबक्ष

वैकल्पिक पाठ्यक्रम पूर्णांक: 100

(वैकल्पिक पाठ्यक्रम में कबीर, नागार्जुन अथवा प्रेमचंद में से किसी एक का विशेष अध्ययन करना होगा।)

पाठ्यक्रम-8 (क) कबीर

इकाई-1 **कबीर और उनका युग**

सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
पूर्ववर्ती साधना पद्धतियाँ
भक्तिकालीन धर्म-साधना और कबीर
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **कबीर का दर्शन**

कबीर का रहस्यवाद
कबीर के राम
कबीर की कविता में सूफी मत
कबीर की कविता पर सिद्धों-नाथों का प्रभाव
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **कबीर का महत्व**

कबीर की प्रासंगिकता
दलित विमर्श और कबीर
कबीर की कविता का लोक से संबंध
कबीर की भाषा
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **व्यावहारिक समीक्षा** (पद-15)

सतगुर महिमा- 1,2,4

प्रेम- 5,10,11,12,17

साधू महिमा- 28,32

परचा- 50,52,55,56

भगति संजीवनी- 106

निरंजन राम- 153

माया- 162

निंदक साकल- 166

भेख आडंबर- 175

भरम बिधूसन- 180,181,187

इकाई-5 **व्यावहारिक समीक्षा(साखी-20)**

सतगुर की महिमा कौ अंग-

2,3,4,7,9,16,18,20,22,23,27,30

प्रेम बिरह कौ अंग- 1,3,4,5,6,7,11,17,20,23,41

साधू महिमा कौ अंग- 1,3,7,14,18,30,33

दीनता बिनती कौ अंग- 7,10,11

(कबीर ग्रंथावली : सं. डॉ. पारसनाथ तिवारी)

अंक विभाजन :

तीन व्याख्या	40 अंक
चार आलोचनात्मक प्रश्न	4X15 = 60

अनुमोदित ग्रंथ

1. कबीर	हजारीप्रसाद f}onh
2. कबीर की विचारधारा	गोविंद त्रिगुणायत
3. कबीर	विजयेन्द्र स्नातक
4. कबीर : एक नई दृष्टि	रघुवंश
5. कबीर साहित्य की परख	परशुराम चतुर्वेदी
6. भक्ति काव्य का समाजशास्त्र	प्रेमशंकर
7. कबीर अकेला	डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र
8. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल
9. भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
10. अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
11. कबीर के आलोचक	डॉ. धर्म वीर

पाठ्यक्रम-8 (ख) नागार्जुन

इकाई-1 **युगीन परिदृश्य**

प्रगतिवाद और नागार्जुन
नागार्जुन की प्रगतिशीलता
नागार्जुन की विचारधारा
नागार्जुन का व्यंग्य
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **कवि-व्यक्तित्व**

नागार्जुन का कवि-व्यक्तित्व
नागार्जुन की कविता का सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ
नागार्जुन की कविता में लोक
नागार्जुन की कविता में प्रेम
नागार्जुन की काव्य-भाषा
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **नागार्जुन का गद्य**

नागार्जुन के उपन्यासों की अंतर्वस्तु
नागार्जुन के उपन्यासों में स्थानीयता
नागार्जुन की कथा-भाषा
नागार्जुन का उपन्यास-शिल्प
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **निर्धारित पाठ : उपन्यास**

बलचनमा

रतिनाथ की चाची

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-5 **निर्धारित पाठ : कविताएँ**

बादल को घिरते देखा है

अकाल और उसके बाद

गुलाबी चूड़ियाँ

प्रेत का बयान

सिन्दूर तिलकित भाल

हरिजन गाथा

(निर्धारित पाठ से व्याख्या पूछी जाएगी)

अंक विभाजन :

तीन व्याख्या	40 अंक
चार आलोचनात्मक प्रश्न	4**X15 = 60**

अनुमोदित ग्रंथ

1. नागार्जुन संवाद	विजय बहादुर सिंह
2. नागार्जुन की कविता	अजय तिवारी
3. नागार्जुन का रचना संसार	विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य और युग अंतःसंबंधों	का अनुशीलन जगन्नाथ पंडित
5. कथाकार नागार्जुन	जगन्नाथ पंडित
6. नागार्जुन की चयनित कविताएँ	सं. मैनेजर पाण्डेय
7. 'अलाव' नागार्जुन जन्मशती विशेषांक	सं. रामकुमार कृषक
8. 'उद्भावना' नागार्जुन विशेषांक	सं. अजेय कुमार,दिल्ली

पाठ्यक्रम-8 (ग) प्रेमचन्द

इकाई-1 **प्रेमचंद का समय और साहित्य**

युगीन साहित्यिक पृष्ठभूमि तथा प्रेमचन्द का साहित्य
प्रेमचन्द के प्रारंभिक हिन्दी उपन्यास
प्रेमचन्द के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना
प्रेमचन्द की विचारधारा

इकाई-2 **प्रेमचंद का साहित्यिक परिवेश**

(क) ग्रामीण जीवन का चित्रण
(ख) जमींदारी प्रथा और किसान जीवन
(ग) नारी समस्या
(घ) उपन्यास-शिल्प और भाषा

इकाई-3 **निर्धारित उपन्यास**

(क) निर्मला
(ख) गोदान

इकाई-4 **कहानियाँ**

(क) नशा
(ख) पूस की रात
(ग) ठाकुर का कुआँ
(घ) मंत्र
(ङ) सदगति
(च) कफ़न

इकाई-5 **निर्धारित निबंध**

(क) साहित्य का उद्देश्य

(ख) कहानी-कला - 1,2,3

(ग) उपन्यास

(घ) उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी

(ङ) जीवन में साहित्य का स्थान

निर्देशः पांचों यूनिटों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे

अंक विभाजन : 20X5=100

अनुमोदित ग्रंथ

1.	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
2.	प्रेमचंद के उपन्यास : पुनर्मूल्यांकन	डॉ. शैलेश ज़ैदी
3.	कलम का सिपाही	अमृतराय
4.	प्रेमचंद : एक विवेचन	इन्द्रनाथ मदान
5.	प्रेमचंद	सत्येन्द्र
6.	गोदान	राजेश्वर गुरु
7.	प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प	कमलकिशोर गोयनका
8.	प्रेमचंद विरासत का सवाल	शिवकुमार मिश्र
9.	गोदान का महत्व	गोपाल राय

पाठ्यक्रम-9 - मौखिकी **पूर्णांक : 100**